



Jai Narain Vyas University Jodhpur  
जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय



Govind Guru Tribal University Banswara  
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय

**MEMORANDUM OF UNDERSTANDING**

**BETWEEN**

**GOVIND GURU TRIBAL UNIVERSITY, BANSWARA**  
(ENACTED BY THE ACT 2012 OF STATE OF RAJASTHAN)

**AND**

**JAI NARAIN VYAS UNIVERSITY, JODHPUR**  
(ENACTED BY THE ACT OF 1962, STATE OF RAJASTHAN)

**COUNTER SIGNED**

**REGISTRAR**

**Jai Narain Vyas University**  
**JODHPUR (Raj.)**



Jai Narain Vyas University Jodhpur  
जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय



Govind Guru Tribal University Banswara  
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय

## MEMORANDUM OF UNDERSTANDING

This Memorandum of Understanding (MoU) is entered on this 31<sup>st</sup> August 2021

**Between**

**JNV University**, a university under the Act 1962 of State of Rajasthan, (hereinafter referred as JNVU), represented by Prof. P.C. Trivedi, Vice Chancellor, Jai Narain Vyas University, Jodhpur, Residency Road, Jodhpur, Pincode : 342011 as **First Party**

**And**

**Govind Guru Tribal University, Banswara** formerly known as Rajiv Gandhi Tribal University, a state university, established by an Act in 2012 and (Change of Name and Headquarters, and Amendment), Act, 2016 (hereinafter referred as GGTU), represented by Prof. I.V. Trivedi, Vice-Chancellor, Govind Guru Tribal University, Mahi Dam Road, Banswara (Rajasthan) – 327001 as **Second Party**

### **Purpose of MOU:**

Ved Vidyapeeth has been established by GGTU Banswara to promote Vedic Studies and research and the purpose of this MOU is primarily to encourage higher education, Vedic Studies and Research between JNVU and GGTU.

*3aM*

*Chined*

COUNTER SIGNED

  
REGISTRAR  
Jai Narain Vyas University  
JODHPUR (Raj.)



परिचय :-

प० मधुसूदन ओझा शोध प्रकोष्ठ, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर निरन्तर रूप से पं० मधुसूदन ओझा तथा मोतीलाल शास्त्री के साहित्य के आधार पर शोध तथा विस्तार व्याख्यान माला का आयोजन अनवरत रूप से कर रहा है। अद्यावधिपर्यन्त बीस ग्रन्थों का प्रकाशन किया जा चुका है। पं० ओझा तथा मोतीलाल शास्त्री की व्याख्यापद्धति वैचारिकता का प्रातिस्विक निदर्शन है। वैदिक सूक्तों, ब्राह्मण ग्रन्थों तथा उपनिषद् साहित्य पर अभिनव शैली से व्याख्या कर पं० ओझा तथा शास्त्री जी ने अध्यात्म तथा जीवन का अद्भुत सामंजस्य स्थापित किया है। श्री मद्भगवद्गीता पर भी पं० ओझा ने अवधारणात्मक गीता विज्ञान भाष्य की रचना की है। प्रस्थानत्रयी अथवा प्रस्थानपंचक के रूप में इनकी लगभग दो सौ अट्टाईस ग्रन्थों की विशद ग्रन्थ राशि शोधार्थियों के लिए महनीय उपयोगी है।

वेद विद्यापीठ, गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा भी वैदिक अध्ययन, सर्टिफिकेट कोर्स, सारस्वत वार्ताएँ एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण इत्यादी का संचालन इसी सत्र से कर रहा है।

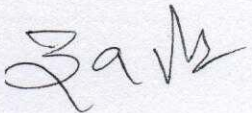
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बाँसवाड़ा एवं जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में अधोलिखित शैक्षणिक कार्यक्रम सम्पादित कर सकते हैं:-

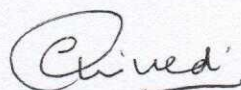
1. वैदिक सूक्तों तथा उनके भाष्यों का आलोचना- पूर्वक व्याख्यान

- वैदिक कृषि शास्त्र
- वैदिक अर्थशास्त्र
- वैदिक समाजविज्ञान
- वैदिक देवशास्त्र
- वैदिक अवधारणा : प्रकृति एवं पर्यावरण
- वैदिक नीति तथा आचार शास्त्र
- पुरुषार्थ चतुष्टय की वैदिक वैचारिकी
- वेद में लोक की अवधारणा

COUNTER SIGNED

  
REGISTRAR  
Jai Narain Vyas University  
JODHPUR (Raj.)







Jai Narain Vyas University Jodhpur  
जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय



Govind Guru Tribal University Banswara  
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय

- वेद में विज्ञान
- वेद में आयुर्वेद के सूत्र
- वेद में भारतीय दर्शन के बिन्दु
- वैदिक गणित
- सांख्यान शाखा का अध्ययन एवं संरक्षण
- वेद एवं महिला सशक्तिकरण
- प्राचीन ग्रन्थों का अनुवाद एवं आलोचना
- जनजातीय संस्कृति का अध्ययन
- वागड़ के संत मावजी के साहित्य का अध्ययन, अनुवाद एवं संरक्षण
- वैदिक अध्ययन में शोध एवं पीएचडी की व्यवस्था

## 2. भाष्यकारों का तुलनात्मक अध्ययन

- सायण
- महीधर
- उब्बट
- बालगंगाधर तिलक
- अरविन्द
- पं. मधुसूदन ओझा
- पं. मोतीलाल शास्त्री
- महर्षि दयानन्द सरस्वती
- देवीदत्त चतुर्वेदी

3. प्राचीन ग्रन्थों का अनुवाद एवं आलोचना
4. उपनिषद् साहित्य का भिन्न-भिन्न भाष्यकारों के संदर्भ में प्रकाशन
5. उपनिषद् साहित्य से सम्बद्ध स्वतंत्र ग्रन्थ
6. उपनिषद् साहित्यान्तर्गत जीवन-दर्शन विषयक सूत्र
7. उपनिषद् एवं प्रबन्धन - अन्तः साक्ष्य
8. ऑडियो-विजुअल लाइब्रेरी का निर्माण

COUNTER SIGNED

REGISTRAR

Jai Narain Vyas University  
JODHPUR (Raj.)



Jai Narain Vyas University Jodhpur  
जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय



Govind Guru Tribal University Banswara  
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय

**शैक्षणिक कार्यक्रम :-**


1. राष्ट्रीय / अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन  
(तत्तत् साहित्य का प्रकाशन)
2. (I) प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम  
(II) डिप्लोमा पाठ्यक्रम
3. कार्यशालाओं का आयोजन
4. पुनश्चर्चा / अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम दो सप्ताह पर्यन्त
5. व्याख्यानमाला (विषय विशेष पर आधारित)

राजस्थान तथा प्रदेश के बाहर भिन्न-भिन्न विश्वविद्यालयों तथा राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

6. राजस्थान संस्कृत अकादमी के माध्यम से प्रचार एवं प्रसार
7. वैदिक व्याख्याताओं एवं विद्वानों का अभिनन्दन एवं फ़ैलोशिप प्रदान कर ....करवाना।
8. माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों हेतु लघु साहित्य का प्रकाशन एवं वितरण
9. प्रतियोगिताओं का आयोजन  
भाषण प्रतियोगिता  
सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

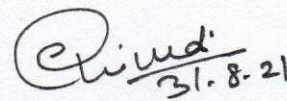
**STATEMENT OF UNDERSTANDING**

This document is a statement of understanding and is not intended to create binding or legal obligations on either party.

  
Prof. (Dr.) I.V. Trivedi  
Vice Chancellor  
Govind Guru Tribal University  
Banswara

Date: 31<sup>st</sup> August 2021

Witness:-----

  
Prof. (Dr.) P. C. Trivedi  
Vice Chancellor  
Jai Narain Vyas University  
Jodhpur

COUNTER SIGNED

Witness:-----

  
REGISTRAR  
Jai Narain Vyas University  
JODHPUR (Raj.)